.. a.ngaarakaashhTottarashatanaamaavaliH ..

॥ अंगारकाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

मङ्गल बीज मन्त्र -
ॐ क्राँ क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः ॥

ॐ महीसुताय नमः ॥
ॐ महाभागाय नमः ॥
ॐ मङ्गलाय नमः ॥
ॐ मङ्गलप्रदाय नमः ॥
ॐ महावीराय नमः ॥
ॐ महाशूराय नमः ॥
ॐ महाबलपराक्रमाय नमः ॥
ॐ महारौद्राय नमः ॥
ॐ महाभद्राय नमः ॥
ॐ माननीयाय नमः ॥
ॐ दयाकराय नमः ॥
ॐ मानदाय नमः ॥
ॐ अपर्वणाय नमः ॥
ॐ क्रूराय नमः ॥
ॐ तापत्रयविवर्जिताय नमः ॥
ॐ सुप्रतीपाय नमः ॥
ॐ सुताम्राक्षाय नमः ॥
ॐ सुब्रह्मण्याय नमः ॥
ॐ सुखप्रदाय नमः ॥
ॐ वक्रस्तम्भादिगमनाय नमः ॥
ॐ वरेण्याय नमः ॥
ॐ वरदाय नमः ॥
ॐ सुखिने नमः ॥
ॐ वीरभद्राय नमः ॥
ॐ विरूपाक्षाय नमः ॥
ॐ विदूरस्थाय नमः ॥
ॐ विभावसवे नमः ॥
ॐ नक्षत्रचक्रसञ्चारिणे नमः ॥
ॐ क्षत्रपाय नमः ॥
ॐ क्षात्रवर्जिताय नमः ॥
ॐ क्षयवृद्धिविनिर्मुक्ताय नमः ॥
ॐ क्षमायुक्ताय नमः ॥
ॐ विचक्षणाय नमः ॥
ॐ अक्षीणफलदाय नमः ॥
ॐ चतुर्वर्गफलप्रदाय नमः ॥
ॐ वीतरागाय नमः ॥
ॐ वीतभयाय नमः ॥
ॐ विज्वराय नमः ॥
ॐ विश्वकारणाय नमः ॥
ॐ नक्षत्रराशिसंचाराय नमः ॥
ॐ नानाभयनिकृन्तनाय नमः ॥
ॐ वन्दारुजनमन्दाराय नमः ॥
ॐ वक्रकुञ्चितमूर्धजाय नमः ॥
ॐ कमनीयाय नमः ॥
ॐ दयासाराय नमः ॥
ॐ कनत्कनकभूषणाय नमः ॥
ॐ भयघ्नाय नमः ॥
ॐ भव्यफलदाय नमः ॥
ॐ भक्ताभयवरप्रदाय नमः ॥
ॐ शत्रुहन्त्रे नमः ॥
ॐ शमोपेताय नमः ॥
ॐ शरणागतपोषनाय नमः ॥
ॐ साहसिने नमः ॥
ॐ सद्गुणाध्यक्षाय नमः ॥
ॐ साधवे नमः ॥
ॐ समरदुर्जयाय नमः ॥
ॐ दुष्टदूराय नमः ॥
ॐ शिष्टपूज्याय नमः ॥
ॐ सर्वकष्टनिवारकाय नमः ॥
ॐ दुश्चेष्टवारकाय नमः ॥
ॐ दुःखभञ्जनाय नमः ॥
ॐ दुर्धराय नमः ॥
ॐ हरये नमः ॥
ॐ दुःस्वप्नहन्त्रे नमः ॥
ॐ दुर्धर्षाय नमः ॥
ॐ दुष्टगर्वविमोचनाय नमः ॥
ॐ भरद्वाजकुलोद्भूताय नमः ॥
ॐ भूसुताय नमः ॥
ॐ भव्यभूषणाय नमः ॥
ॐ रक्ताम्बराय नमः ॥
ॐ रक्तवपुषे नमः ॥
ॐ भक्तपालनतत्पराय नमः ॥

ॐ चतुर्भुजाय नमः ॥
ॐ गदाधारिणे नमः ॥
ॐ मेषवाहाय नमः ॥
ॐ मिताशनाय नमः ॥
ॐ शक्तिशूलधराय नमः ॥
ॐ शाक्ताय नमः ॥
ॐ शस्त्रविद्याविशारदाय नमः ॥
ॐ तार्किकाय नमः ॥
ॐ तामसाधाराय नमः ॥
ॐ तपस्विने नमः ॥
ॐ ताम्रलोचनाय नमः ॥
ॐ तप्तकाञ्चनसंकाशाय नमः ॥
ॐ रक्तकिञ्जल्कसंनिभाय नमः ॥
ॐ गोत्राधिदेवाय नमः ॥
ॐ गोमध्यचराय नमः ॥
ॐ गुणविभूषणाय नमः ॥
ॐ असृजे नमः ॥
ॐ अङ्गारकाय नमः ॥
ॐ अवन्तीदेशाधीशाय नमः ॥
ॐ जनार्दनाय नमः ॥
ॐ सूर्ययाम्यप्रदेशस्थाय नमः ॥
ॐ घुने नमः ॥
ॐ यौवनाय नमः ॥
ॐ याम्यहरिन्मुखाय नमः ॥
ॐ याम्यदिङ्मुखाय नमः ॥
ॐ त्रिकोणमण्डलगताय नमः ॥
ॐ त्रिदशाधिपसन्नुताय नमः ॥
ॐ शुचये नमः ॥
ॐ शुचिकराय नमः ॥
ॐ शूराय नमः ॥
ॐ शुचिवश्याय नमः ॥
ॐ शुभावहाय नमः ॥
ॐ मेषवृश्चिकराशीशाय नमः ॥
ॐ मेधाविने नमः ॥
ॐ मितभाषणाय नमः ॥
ॐ सुखप्रदाय नमः ॥
ॐ सुरूपाक्षाय नमः ॥
ॐ सर्वाभीष्टफलप्रदाय नमः ॥
॥ इति मङ्गल अष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णम् ॥

Propitiation of Mars (Tuesday)
CHARITY: Donate wheat bread, sweets made from sugar mixed with white sesamum seeds, or masoor dal (red lentils) to a celibate on Tuesday at noon.
FASTING: On Tuesdays, especially during Mars transits and major or minor Mars periods.
MANTRA: To be chanted on Tuesday, one hour after sunrise, especially during major or minor Mars periods:
RESULT: The planetary diety Mangala is propitiated increasing determination and drive, and protecting one from violence.

Transliteration and additional information by Dr . S . Kalyanaraman (kalyan97@yahoo.com);
Proofread by Detlef Eichler DetlefEichler (@at) gmx.net
More details at http://members.tripod.com/ navagraha

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com
Last updated June 16, 2007